ANNUAL EVALUATION - 2024 IX HINDI Answer Key

1. विशाल

2. **चार सही प्रस्ताव**

* कलाम के जीवन पर माँ का बडा प्रभाव था ।
* कलाम श्री स्वामियार के पास गणित पढते थे ।
* कलाम पढाई और कमाई एक साथ करते थे ।
* कलाम की माँ एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं ।

अथवा

टिप्पणी - संयुक्त परिवार के बारे में

संयुक्त परिवार में हर सदस्य का समर्थन होता है और किसी भी समस्या केलिए सभी खडे रहते हैं । बडी समस्या भी आसानी से हल हो जाती है । हर सदस्य में अपनापन और एकता की भावना रहती है । बच्चों को भरपूर प्यार और संस्कार मिल पाते हैं । बच्चों को अच्छे संस्कार और संस्कृति को जानने का मौका मिल पाता है ।

3. मोहिं

4. **पंक्तियों का आशय**

हिंदी के प्राचीन कवि सूरदास की सुंदर पद रागगौरी कृष्ण की बाल लीला से संबंधित है । इसमें कवि कृष्ण अपनी माँ यशोदा से बडे भाई बलराम के बारे में कह रही शिकायत प्रस्तुत की है ।

कृष्ण माँ से कहता है कि भैया बलराम उसे बहुत चिढाता है । यशोदा ने कृष्ण को जन्म नहीं दिया है, उसे कहीं से मोल देकर खरीद लिया है । बार-बार यही कहने से उसे क्रोध आता है और वह खेलने भी नहीं जाता । यह भी पूछते हैं, तुम्हारे माता-पिता कौन हैं ?

अत्यंत सरल भाषा के प्रयोग से, आकर्षक ढंग से सूरदास ने इस पद की रचना की है ।

5. दीमकों का

6. चलेगी ।

7. ऊँचे उडनेवाले पंछियों को हवा में ही बहुत से कीडे तैरते हुए मिल जाते, जिन्हें खाकर वे अपनी भूख शांत कर लेते हैं ।

8. सारस पक्षी

9. धीरे-धीरे उनके क्रेंकार से भर गया
सारा का सारा शहर

10. **टिप्पणी - पर्यावरण पर अकाल का प्रभाव**

अकाल बहुत दुखदायक है । इस अभावयुक्त हालत में चारों ओर विषाद और निराशा छा जाती है । पाठभाग में भी हम यह देख सकते हैं । अकाल मनुष्य के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी भूखमरी का शिकार बना देता है । अकाल भोजन की समस्या, भूख-प्यास की परेशानी तथा कई बीमारियाँ फैलने का कारण भी बनता है । अकाल की परेशानियों से बचने का उचित उपाय हमें खुद ढूँढना है ताकि हम सुख भरा जीवन बिता सके ।

11. गालिब को

12. वाक्य पिरामिड

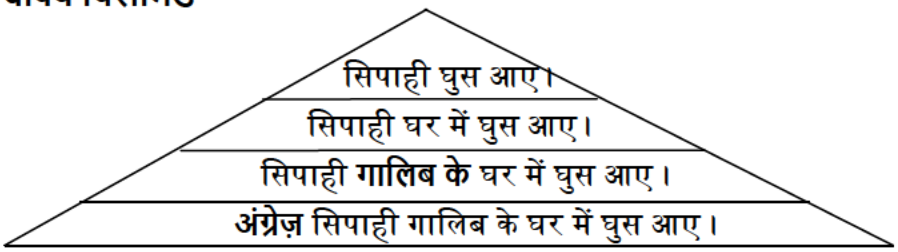

सिपाही घुस आए।
सिपाही घर में घुस आए।
सिपाही **गालिब के** घर में घुस आए।
अंग्रेज़ सिपाही गालिब के घर में घुस आए।

13. नेहरू की

14. वह + के = उसके

15. सही मिलान

दुनिया का हाल	संसार रूपी पुस्तक से मिलता है।
दुनिया के लोग	हमारे भाई-बहन हैं।
जानवरों से पहले धरती पर	कोई जानदार चीज़ न थी।
छोटे रोडे की भी	अपनी कहानी है।

16. बेबी ने

17. पोस्टमैन की डायरी

तारीख : ....

आज कैसा दिन था ! भूल नहीं सकता। आज मुझे होली का उपहार मिला, एक बच्ची से। एक जोडी सुंदर जूते। मेरे पैरों में जूते नहीं थे। यह जानकर ही उस बच्ची ने मुझे जूते दिए। लेकिन मेरा मन अब भी अशांत है। उसके पैर नहीं है। वह मैं कैसे दे सकूँगा। कल उस बच्ची से मिलना मेरेलिए मुश्किल है। इसलिए बडे बाबू से मेरी लाइन बदलने को कहा। शायद कल ही नई लाइन मिलेगी। रात देर हो गई है। भगवान ! उस बच्ची की भलाई करें।

अथवा

नए पोस्टमैन की चार चरित्रगत विशेषताएँ

* पोस्टमैन बच्चों के से चेहरेवाला है।
* पोस्टमैन कोमल तथा दबी आवाज़ में बातें करता है।
* पोस्टमैन नंगे पैर चलता है।
* उपहार लेने के बाद पोस्टमैन उदास है।

18. माँ को कलाम से विशेष प्यार था।

19. **कलाम का पत्र**

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ।

आज एक विशेष घटना हुई। हम भाई-बहन खाने बैठे। माँ मुझे रोटी देती जा रही थी। मैं खा रहा था। बाद में पता चला कि वे रोटियाँ माँ के हिस्से के थे। यह जानकर मुझे सिहरन की अनुभूति हुई। मै अपने आपको रोक नहीं सका। दौडकर माँ के पास गया। भावावेश में उनसे लिपट गया। माँ से क्षमा माँगी। लेकिन माँ ने साँत्वना दी। माँ सच में भगवान की सुंदर रचना है।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम्हारे परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता।

अथवा

बातचीत - कलाम और बडे भाई के बीच का

भइया - कलाम ज़रा इधर आओ।

कलाम - क्या हुआ भइया ?

भइया - मुझे तुमसे एक खास बात बतानी है, ध्यान से सुनो।

कलाम - ठीक है, बताओ न।

भइया - आज तुम रोटी खाते जा रहे थे और माँ तुम्हें रोटी देती जा रही थीं। वे अपने हिस्से की सारी रोटियाँ भी तुम्हें खिलाती थीं।

कलाम - क्या ?

भइया - हाँ, अभी घर की परिस्थिति ठीक नहीं है। एक ज़िम्मेदार बेटा बनो पर अपनी माँ को भूखों मत मारो।

कलाम - सच। ठीक समय पर ही आपने बताया। नहीं तो मैं कैसे जान पाती।

भइया - यही तो मेरा दायित्व है न ?

कलाम - ठीक है भइया। मैं आपकी बातों को अवश्य ध्यान रखूँगा।

- o O o -

SREEJITH.S, KOVOOR, VARKALA, SCERT